5. Describe Ten Pranas of Taal. 06

OR

Explain special features of Marg Taal system.

6. Give general introduction of Mattkokila and Tripushkar instruments. 06

OR

Explain Indian classification of Instuments.

xx

IKSV MMXVI-XVII 1

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

गायन/स्वर वाद्य

प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं

1. खाली स्थान भरियेः- 05

अ- संगीत रत्नाकर के अनुसार दोनों ग्रामों की कुल---मूर्च्छनाएँ होती हैं ।
ब- भरत की सारणा पद्धति में तंत्रियों को ----बार उतारा जाता है ।
स- आ. शारंगदेव ने जातियों के----लक्षण माने हैं ।
द- महाभारत में संगीत के स्थान पर----शब्द का प्रयोग किया गया है ।
इ- मृदंग जैसे वाद्यों के लिए वैदिक काल में-----संज्ञा थी ।

सत्य/असत्य लिखियेः-

अ- रामायण में वेणु या वंश का नामोल्लेख नहीं है ।
ब- महाभारत काल तक ग्राम रागों का प्रचार नहीं था ।
स- मतंग के अनुसार मध्यम ग्राम की प्रथम मूर्च्छना सौवीरी है ।
द- लोकसंगीत देशी संगीत का रूप नहीं है ।
इ- नाट्यशास्त्र में जाति की परिभाषा उपलब्ध नहीं है ।

2. रामायणकालीन संगीत की विशेषताएँ बताइये । 06

अथवा

पाश्चात्य मत के अनुसार संगीत की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिये ।

3. नाट्यशास्त्र ग्रन्थ के संगीत से संबंधित अध्यायों का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

दत्तिलम् ग्रन्थ की विषय-वस्तु समझाइये ।

4. दशविध राग वर्गीकरण पर प्रकाश डालिये । 06

अथवा

मार्ग एवं देशी संगीत का अन्तर समझाइये ।

5. ताल के दश प्राणों का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

मार्गताल पद्धति की विशेषताएँ समझाइये ।

6. मत्तकोकिला तथा त्रिपुष्कर वाद्य का सामान्य परिचय दीजिये । 06

अथवा

वाद्यों के भारतीय वर्गीकरण को समझाइये ।

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016
Gayan/ Swar Vadya
Paper-I

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Attempt all questions.

***

1. **Fill in the blanks:-** 05

(a) Moorchhanas of both grams according to Sangeet Ratnakar are____.
(b) Strings are lowered____ times in Bharat's Sarana system.
(c) Acharya Sharangdev accepted___lakshanas of Jaties.
(d) ___word is used in place of Sangeet in Mahabharat.
(e) The term ___was used for instruments like Mridang in Vedic era.

Write True/False:-

(a) Venu or Vansh is not mentioned in Ramayan.
(b) Gram Ragas were not popular till Mahabharat period.
(c) First Moorchhana of Madhyam Gram according to Matang is Sauviri.
(d) Folk music is not a type of Deshi Sangeet.
(e) Definition of Jati is not mentioned in Natyashastra.

2. Describe specialities of music of Ramayan period. 06

OR

Throw light on evolution of music according to Western opinion.

3. Describe music related chapters of Natyashastra. 06

OR

Explain subject matter of Dattilam.

4. Throw light over Dashvidh Raag classification. 06

OR

Discriminate Marg and Deshi Sangeet.

4. Find out the 109th prastar of five swaras on the basis of Khandmeru. 06

OR

What do you mean by Uddishta method? Explain with example.

5. Describe Voice culture. 06

OR

Give general introduction of the Vocal apparatus.

6. Write theoritical description of any two ragas from Puriya kalyan, Shyam kalyan and Desi. 06

OR

Give theoritical description of any two ragas of audav jati prescribed in your syllabus.

xx

IKSV MMXVI-XVII 3

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा–दिसम्बर,2016

गायन/स्वर वाद्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–35 न्यूनांक–13**

टीपः- सभी प्रश्नों को हल कीजिये ।

***

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजियेः- 05

अ- राग शुद्ध सारंग----थाट का राग है ।

ब- आड़ा चौताल में कुल----खाली होती है ।

स- पाँच स्वरों के प्रस्तारों की अधिकतम संख्या----होती है ।

द- राग पूरिया कल्याण का वादी स्वर---- है ।

इ- स्वर प्रस्तार में तानस्वरूप से संख्या ज्ञात करने की विधि को ---- कहते हैं ।

फ- रे म॑ प, ध प, ग म रे नि॒ सा---- राग की स्वर संगति है ।

क- राग हंसध्वनि में ----स्वर वर्जित हैं ।

ख- ताल झूमरा में ---- मात्रा पर तीसरी ताली होती है ।

ग- राग जोग का गायन समय---- है ।

घ- राग मध्यमाद सारंग की जाति----- है ।

2. रागांग वर्गीकरण को समझाइये । 06

अथवा

कल्याण रागांग का उदाहरण सहित वर्णन कीजिये ।

3. पाठ्यक्रम के किसी राग में त्रिताल में दो आवर्तन की तिहाईयुक्त तान की रचना कीजिये । 06

अथवा

तान रचना के सिद्धान्त पर प्रकाश डालिये ।

4. खण्डमेरू के आधार पर पाँच स्वरों वाली 109वीं तान का स्वरूप ज्ञात कीजिये । 06

अथवा

उद्दिष्ट विधि से आप क्या समझते हैं ? उदाहरण सहित समझाइये ।

5. कण्ठ-संस्कार को समझाइये । 06

अथवा

स्वरोत्पादक यंत्र का सामान्य परिचय दीजिये ।

6. राग पूरिया कल्याण, श्यामकल्याण एवं देसी में से किन्हीं दो रागों का शास्त्रीय परिचय लिखिये । 06

अथवा

अपने पाठ्यक्रम के किन्हीं दो औडव जाति के रागों का शास्त्रीय परिचय दीजिये ।

IKSV MMXVI-XVII 4

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016

Gayan/ Swar Vadya

Paper-II

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Attempt all questions.

***

1. Fill in the blanks:- 05

(a) Raga Shuddha Sarang is derived from___thata.

(b) Total Khali in Adachautal are____.

(c) Maximum permutation of five swaras are___.

(d) The Vadi swar of raga Puriyakalyan is____.

(e) To get the number from the form of taan in swar prastar is called____.

(f) Re ṁha pa, dha pa, ga ma re ṇi sa is a phrase of raga___.

(g) _____swaras are omitted in raga Hansadhwani.

(h) The third tali of Jhumra tala is in___matra.

(i) The Gayan Samay of raga Jog is___.

(j) Jatri of raga Madhmad Sarang is____.

2. Describe the Ragang classification. 06

OR

Explain Kalyan Ragang with examples.

3. Make Tana of two Avartans with tihai in any raga prescribed in your syllabus. 06

OR

Throw light on the theory of making tana.

2. Describe the history of Indian Music in brief. 06

OR

Explain the changes occurred in Indian Music in modern era.

3. Explain the Marg Talas in detail. 06

OR

Describe the Deshi Taal system.

4. Describe the Avanaddha Vadyas and throw light on the development and utility of these instruments. 06

OR

Describe the following percussion instruments with sketch:- Dardur, Dundubhi, Hudukka.

5. Describe the following technical terms regarding playing style as mentioned in Natyashastra:- 06

Marjana, Vilepan, Triprahar, Trigat, Panchpani Prahat.

OR

Describe the Patakshara as mentioned in ancient texts.

6. Describe in detail the Avanaddha Kutap. 06

OR

Discuss the merits and demerits of percussion instrumentalists as mentioned in ancient texts.

xx

IKSV MMXVI-XVII 5

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा–दिसम्बर,2016

तबला

प्रथम प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–35 न्यूनांक–13**

टीपः– सभी प्रश्नों को हल कीजिये ।

***

1. सही विकल्प का चयन कीजियेः– 05

अ– नाट्यशास्त्र में तालाध्याय का क्रम संख्यांक हैः–

(i) 31 (ii) 32 (iii) 33 (IV) 34

ब– नाट्यशास्त्र में पाटाक्षरों की कुल संख्याः–

(i) 8 (ii) 10 (iii) 12 (IV) 16

स– नाट्यशास्त्र में अवनद्ध वाद्यों का वर्णन किस अध्याय में हैः–

(i) 31 (ii) 32 (iii) 33 (IV) 34

द– षट्पितापुत्रक हैः–

(i) पाटाक्षर (ii) मार्गताल (iii) देशीताल (IV) इनमें से कोई नहीं

इ– निःशब्द क्रिया हैः–

(i) सन्निपात (ii) प्रवेश (iii) ध्रुवा (IV) शम्या

फ– नाट्यशास्त्र में कितनी यतियाँ वर्णित हैंः–

(i) 2 (ii) 3 (iii) 4 (IV) 5

क– मार्गतालों की कुल संख्याः–

(i) 5 (ii) 7 (iii) 9 (IV) 11

ख– जातियों की कुल संख्याः–

(i) 3 (ii) 5 (iii) 7 (IV) 9

ग– कुतप की कुल संख्याः–

(i) 2 (ii) 3 (iii) 4 (IV) 5

घ– त्रिपुट क्या हैः–

(i) मार्गताल (ii) देशीताल (iii) कर्नाटकी ताल (IV) पाटाक्षर

2. भारतीय संगीत के इतिहास का संक्षिप्त वर्णन कीजिये । 06

अथवा

वर्तमान युग में भारतीय संगीत में हुए परिवर्तनों की व्याख्या कीजिये ।

3. मार्गतालों का विस्तार से वर्णन कीजिये । 06

अथवा

देशी ताल पद्धति को समझाइये ।

4. अवनद्ध वाद्य की व्याख्या कीजिये तथा अवनद्ध वाद्यों के विकास और उपयोगिता पर प्रकाश डालिये । 06

अथवा

निम्नलिखित अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन कीजियेः–
दर्दुर, दुंदुभि, हुडुक्का ।

5. नाट्यशास्त्र में वर्णित अवनद्ध वाद्यों की वादन विधि से संबंधित निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों को समझाइयेः– 06
मार्जना, विलेपन, त्रिप्रहार, त्रिगत, पंचपाणि प्रहत

अथवा

प्राचीन ग्रंथों में वर्णित पाटाक्षरों का वर्णन कीजिये ।

6. अवनद्ध कुतप की विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिये । 06

अथवा

प्राचीन ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्य वादकों के गुण–दोषों की चर्चा कीजिये ।

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016

TABLA

Paper-I

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Attempt all questions.

***

1. Choose right option:- 05

(a) The numerical sequence of Taladhyaya in Natyashastra:-
(i) 31st (ii) 32nd (iii) 33rd (iv) 34th

(b) Total number of Pataksharas in Natyashastra:-
(i) 8 (ii) 10 (iii) 12 (iv) 16.

(c) In which chapter of Natyashastra the Avanaddha are discussed:-
(i) 31 (ii) 32 (iii) 33 (iv) 34

(d) What is Shatpitaputrak:-
(i) Patakshar (ii) Margtaal (iii) Deshi taal (iv) None of the above

(e) Which one is Nishabd Kriya:-
(i) Sannipat (ii) Pravesh (iii) Dhruva (iv) Shamya

(f) How many Yaties are described in Natyashastra:-
(i) 2 (ii) 3 (iii) 4 (iv) 5

(g) Total number of Marg Taalas:-
(i) 5 (ii) 7 (iii) 9 (iv) 11

(h) Total number of Jaties:-
(i) 3 (ii) 5 (iii) 7 (iv) 9

(i) Total number of Kutap:-
(i) 2 (ii) 3 (iii) 4 (iv) 5

(j) What is Triput:-
(i) Marg taal (ii) Deshi taal (iii) Karnataki taal (iv) Patakshar.

2. Clarify the differences between Vistarshil and Avistarshil Bandishes with example. 06

OR

Define Bandish and describe any two Vistarshil bandishes with example.

3. Define Chakradar and write in notation one Qamali chakradar in Jhaptal. 06

OR

Define Tukda and Paran and write in notation two examples each of them in Roopak.

4. Describe North Indian taal system in detail. 06

OR

Describe Karnatak Taal system in detail.

5. Describe Pataksharas of Avanaddha vadyas as mentioned in ancient texts. 06

OR

Describe Mridanga as mentioned by Bharat.

6. Describe Staff notation system in detail. 06

OR

Compare the Bhatkhande and Paluskar notation system.

xx

IKSV MMXVI-XVII 7

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा–दिसम्बर,2016

तबला

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–35 न्यूनांक–13**

टीपः– सभी प्रश्नों को हल कीजिये ।

***

1. सही विकल्प का चयन कीजियेः– 05

अ– नाट्यशास्त्र में वर्णित अंग वाद्यों की कुल संख्याः–

(i) दस (ii) तीन (iii) पाँच (IV) चार

ब– पाश्चात्य तालांकन पद्धति में ½ का चिन्हः–

(i) S (ii) 0 (iii) 𝅗𝅥 (IV) ♪

स– पलुस्कर तालांकन पद्धति में ½ का चिन्हः–

(i) + (ii) | (iii) 0 (iv) ‿

द– कर्नाटक पद्धति में विसर्जितम् का अर्थ हैः–

(i) सम (ii) विभाग (iii) खाली (IV) आवर्तन

इ– भरत वर्णित पाटाक्षरों की संख्याः–

(i) सात (ii) दस (iii) सोलह (IV) बारह

फ– चक्रदार रचना के मुख्य भेद हैंः–

(i) तीन (ii) पाँच (iii) दो (IV) चार

क– झपताल में फर्माइशी चक्रदार का एक पल्ला होगाः–

(i) 10 मात्रे का (ii) 15 मात्रे का

(iii) 17 मात्रे का (IV) इनमें से कोई नहीं

ख– नाट्यशास्त्र का 33वां अध्याय हैः–

(i) अवनद्ध का (ii) ताल का (iii) घन का (IV) प्रबंध का

ग– भरत वर्णित मृदंग वाद्य के कुल भाग थेः–

(i) पाँच (ii) दो (iii) तीन (IV) चार

घ– रूपक में कमाली चक्रदार हेतु आवश्यक न्यूनतम मात्राएँ होंगीः–

(i) 36 (ii) 15 (iii) 22 (IV) 29

2. विस्तारशील तथा अविस्तारशील बंदिशों के अंतर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिये । 06

अथवा

बंदिश को परिभाषित करते हुए किन्हीं दो विस्तारशील बंदिशों को सोदाहरण समझाइये ।

3. चक्रदार को परिभाषित करते हुए झपताल में एक कमाली चक्रदार लिपिबद्ध कीजिये । 06

अथवा

टुकड़ा तथा परन की परिभाषा देते हुए रूपक ताल में प्रत्येक के दो-दो उदाहरण लिपिबद्ध कीजिये ।

4. उत्तर भारतीय ताल पद्धति की विस्तृत विवेचना कीजिये । 06

अथवा

कर्नाटक ताल पद्धति की विस्तृत विवेचना कीजिये ।

5. प्राचीन ग्रंथों में वर्णित अवनद्ध वाद्यों के पाटाक्षरों का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

भरत वर्णित मृदंग का सम्पूर्ण वर्णन कीजिये ।

6. स्टाफ नोटेशन पद्धति की समग्र विवेचना कीजिये । 06

अथवा

भातखण्डे तथा पलुस्कर तालांकन पद्धति का तुलनात्मक विवेचन कीजिये ।

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016

TABLA

Paper-II

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : Attempt all questions.

***

1. Choose right answer:- 05

(a) Total number of Anga Vadyas as in Natyashastra:-

(i) Ten (ii) Three (iii) Five (iv) Four

(b) The symbol of ½ in western notation:-

(i) S (ii) 0 (iii) 𝅗𝅥 (iv) ♪

(c) Symbol of ½ in Paluskar notation:-

(i) + (ii) | (iii) 0 (iv) ‿

(d) Meaning of Visarjitam in Karnatak system:-

(i) Sam (ii) Vibhag (iii) Khali (iv) Avartan

(e) Number of Patakshara as mentioned by Bharat:-

(i) Seven (ii) Ten (iii) Sixteen (iv) Twelve

(f) Total types of Chakradhar composition are:-

(i) Three (ii) Five (iii) Two (iv) Four

(g) One Palla of Farmaishi Chakradar in Jhaptal will be of:-

(i) 10 matras (ii) 15 matras (iii) 17 matras (iv) None of them

(h) 33rd chapter of Natyashastra is of:-

(i) Avanaddha (ii) Taal (iii) Ghana (iv) Prabandh

(i) Total parts of Mridang as describe by Bharat were:-

(i) Five (ii) Two (iii) Three (iv) Four

(j) Minimum matras required for a Qamali chakradar in Roopak are:-

(i) 36 (ii) 15 (iii) 22 (iv) 29

4. Explain the effect of Sufi on Indian dance. 06

OR

Describe Rasleela in brief.

5. Throw light on the history of Dance in Mughal period. 06

OR

Explain the Margi and Deshi Nritya.

6. Explain the Pandvani and Chhau Lok Natya. 06

OR

Explain the Karma and Bihu Lok dance(Folk theatre).

xx

IKSV MMXVI-XVII 9

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

कथक नृत्य

प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय नृत्य का इतिहास

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना है ।

***

1. हाँ या नहीं में उत्तर दीजियेः- **05**

अ- रास लीला एकल नृत्य है ।
ब- यक्षगान लोकनाट्य है ।
स- पंडवानी छत्तीसगढ़ का लोकनाट्य है ।
द- बीहू असम का लोकनृत्य है ।
इ- मोहिनी भस्मासुर कथा भगवान कृष्ण से संबंधित है ।
फ- देशी नृत्य को लोकनृत्य भी कहते हैं ।
क- कसक कलाई का संचालन है ।
ख- गरबा गुजरात का लोकनृत्य है ।
ग- पंचवटी रामायण में वर्णित है ।
घ- घूमर राजस्थान का लोकनृत्य है ।

प्रत्येक इकाई में से एक-एक प्रश्न हल करें ।

इकाई-1

2. प्रागैतिहासिक काल में नृत्य का इतिहास लिखिये । 06

अथवा

मौर्य व गुप्तकाल में नृत्य का इतिहास लिखिये ।

इकाई-2

3. रामायण तथा महाभारत में वर्णित नृत्य प्रसंगों का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

चित्रकला में उपलब्ध नृत्य संबंधी तथ्यों को समझाइये ।

इकाई–3

4. भारतीय नृत्य में सूफी प्रभाव को समझाइये । 06

अथवा

रासलीला का संक्षिप्त वर्णन कीजिये ।

इकाई–4

5. मुग़ल काल में नृत्य कला के इतिहास पर प्रकाश डालिये । 06

अथवा

मार्गी एवं देशी नृत्यों को समझाइये ।

इकाई–5

6. पण्डवानी एवं छऊ लोकनाट्य को समझाइये । 06

अथवा

कर्मा एवं बीहू लोकनृत्यों को समझाइये ।

IKSV MMXVI-XVII 10

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016

KATHAK DANCE

Paper-I

HISTORY OF INDIAN DANCE

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : First question is compulsory. Attempt one question from each section.

***

1. Give answer in Yes or No:- 05

(a) Rasleela is a Solo dance.
(b) Yaksha Gaana is a Lok Natya (Folk theatre).
(c) Pandavani is a Lok Natya of Chhattisgarh.
(d) Bihu is a Folk dance of Assam.
(e) Mohini Bhasmasur story is related to God Krishna.
(f) Deshi Nritya is also called folk dance.
(g) Kasak is a movement of Wrist.
(h) Garba is a folk dance of Gujarat.
(i) Panchavati is described in Ramayan.
(j) Ghoomar is a folk dance of Rajasthan.

Attempt one question from each unit.

2. Write the history of Dance in Pre historic. 06

OR

Write the history of Dance in Maurya & Gupta period.

3. Explain the Nritya Prasanga (Dance incident) described in Ramayana and Mahabharata. 06

OR

Explain the elements available in painting related to Nritya.

4. Describe the Abhinaya and explain the Angik-Abhinaya. 06

OR

Explain the Vachik and Aharya.

5. How will you make a Dance-Drama on the following points on Panchvati or Mohini Bhasmasur:- 06

(a) Story (b) Stage arrangement
(c) Characters (d) Costume
(e) Background Music (f) Tal & Rasa.

OR

Write essay on any one of the following:-

(a) Kathak and Adhyatma.

(b) Nayika bhedas in Kathak.

6. Write in notation of Paran in Tal Shikhar.

OR

Write the notation of Chakkardar Toda in Tal Trital.

xx

IKSV MMXVI-XVII 11

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

कथक नृत्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

कथक नृत्य का शास्त्रीय एवं प्रायोगिक सिद्धान्त-1

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना है ।

***

1. खाली स्थान भरोः- **05**

अ- यति के----- प्रकार होते हैं ।

ब- श्रीकृष्ण-----नायक हैं ।

स- अपने नायक से कलह कर बाद में पछताने वाली नायिका ---- कहलाती है ।

द- अंगों द्वारा किये जाने वाला अभिनय----कहलाता है ।

इ- भस्मासुर ने तप करके----भगवान से वर मांगा था ।

फ- सात्विक भाव-----प्रकार के होते हैं ।

क- ताल झपताल में-----विभाग होते हैं ।

ख- कालिया नाग-----नदी में रहता था ।

ग- पखावज पर बजने वाला बोल----कहलाता है ।

घ- ताल शिखर में----मात्राएँ होती है ।

प्रत्येक इकाई में से एक-एक प्रश्न हल करें ।

इकाई-1

2. ताल के दस प्राण में से किन्हीं पाँच को समझाइये । 06

अथवा

कथक नृत्य के वस्तुक्रम को समझाइये ।

इकाई-2

3. कथक नृत्य में ठुमरी के महत्व को समझाइये । 06

अथवा

नायक भेदों को समझाइये ।

इकाई–3

4. अभिनय की व्याख्या करते हुए आंगिक अभिनय को समझाइये । 06

अथवा

वाचिक एवं आहार्य अभिनय को समझाइये ।

इकाई–4

5. पंचवटी या मोहिनी भस्मासुर में से किसी एक नृत्य नाटिका की संरचना निम्नलिखित बिन्दुओं पर कैसे करेंगे:– 06

अ– कथानक ब– रंगमंच व्यवस्था स– पात्र चयन

द– वेशभूषा इ– पार्श्व संगीत फ– ताल एवं रस ।

अथवा

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिये:–

अ– कथक और आध्यात्म ब– कथक में नायिका भेद

इकाई–5

6. ताल शिखर में एक परन लिपिबद्ध कीजिये । 06

अथवा

ताल त्रिताल में एक चक्करदार तोड़ा लिपिबद्ध कीजिये ।

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016

KATHAK DANCE

Paper-II

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : First question is compulsory. Attempt one question from each section.

***

1. Fill in the blanks:- 05

(a) There are ____ kinds of Yati.

(b) Shri Krishna is____ Nayak.

(c) The Nayika repenting after quarreling with her Nayak is called____.

(d) The Abhinaya done by parts of body is called as___.

(e) Bhashmasur after meditating asked boon from___God.

(f) There are___kinds of Satvik Bhav.

(g) There are___divisions in Jhaptal.

(h) Kaliyanag lived in____river.

(i) Bol which is played on Pakhawaj is called___.

(j) There are____matras in Tal Shikhar.

Attempt one question from each unit.

2. In ten pranas of Tal, describe any five of them. 06

OR

Explain the repertoire(Vastukram) of Kathak dance.

3. Explain the importance of Thumri in Kathak dance. 06

OR

Describe the Nayak Bhedas.

-4-

4. Write an essay on the topic "Devdasi tradition". 06

OR

Throw light on the life style of Devdasis and their position & importance in society.

5. Describe the Margam of Bharatnatyam. 06

OR

Explain the Aaharya Parampara of Kathakali.

6. Explain about the Kathak dance style in detail. 06

OR

Write the history and development of Manipuri dance style.

xx

IKSV MMXVI-XVII 13

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016

भरतनाट्यम

प्रथम प्रश्न पत्र

(भारतीय नृत्य का इतिहास एवं विकास-1)

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

1. **हाँ या नहीं में उत्तर दीजियेः-** 05

अ- सामवेद का संबंध संगीत से है ।

ब- कनिष्क काल को स्वर्णिम युग के नाम से जाना जाता था ।

स- कृष्ण का नृत्य रास कहलाता है ।

द- चित्रसेन गंधर्व ने उत्तरा को नृत्य सिखाया ।

इ- महलों की नर्तकियाँ राजदासियाँ कहलाती थीं ।

फ- देवदासी परम्परा का उद्भव बौद्ध मंदिरों में हुआ ।

क- रूपसज्जा की मिनक्कु शैली कथकलि की नायिकाओं के लिए है ।

ख- मृणालिनी साराभाई ने दर्पण अकादमी की स्थापना की ।

ग- राजा चक्रधर सिंह कथक के जयपुर घराने से संबंधित हैं ।

घ- झावेरी बहनें मणिपुरी नृत्य से संबंधित हैं ।

इकाई-1

2. शुंगकाल में नृत्य की स्थिति का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

गुप्त काल में नृत्य का इतिहास लिखिये ।

इकाई-2

3. हरिवंश पुराण में वर्णित नृत्य कथानक लिखिये । 06

अथवा

विष्णु धर्मोत्तर पुराण में नृत्य संबंधी कथा का वर्णन कीजिये ।

इकाई-3

4. 'देवदासी परम्परा' विषय पर एक निबन्ध लिखिये । 06

अथवा

देवदासियों की जीवन शैली एवं समाज में उनके स्थान और महत्व पर प्रकाश डालिये ।

इकाई-4

5. भरतनाट्यम के मार्गम् का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

कथकलि की आहार्य परम्परा को समझाइये ।

इकाई-5

6. कथक नृत्य शैली को विस्तार से समझाइये । 06

अथवा

मणिपुरी नृत्य के इतिहास एवं विकास को लिखिये ।

IKSV MMXVI-XVII 14

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016

BHARATNATYAM

Paper-I

(HISTORY & DEVELOPMENT OF INDIAN DANCE-1)

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : All question are compulsory.

1. Answer in Yes or No:- 05

(a) Sama veda is related to music.

(b) Kanishka age was known as Golden Era.

(c) Krishna's dance is called Raas.

(d) Chitrasen Gandharva taught dance to Uttara.

(e) The dancers of palace were called Rajadasis.

(f) Devadasi tradition originated in Buddha temples.

(g) Minakku style of make up is for heroines of Kathakali.

(h) Mrinalini Sarabhai established Darpan Academy.

(i) Raja Chakradhar Singh is related to Jaipur Gharana of Kathak.

(j) The Jhveri sisters are related to Manipuri dance.

2. Describe about status of dance in Shunga age. 06

OR

Write the history of dance in Gupta age.

3. Write the story related to dance as described in Harivansha Purana. 06

OR

Describe the story related to dance in Vishnu Dharmottar Purana.

4. What is Taal? Explain any one taal system in detail. 06

OR

Describe Taal Dash Prana in detail.

5. Write Navagraha hastas and Greeva bheda with shloka. 06

OR

Write the viniyogas of Shirobheda and Greeva Bheda with shloka.

6. Choreograph Kumar Sambhavam as dance drama and design costume and stage lighting. 06

OR

Explain complete choreography of Rukmini Haran dance drama.

xx

IKSV MMXVI-XVII 15

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा–दिसम्बर,2016

भरतनाट्यम

द्वितीय प्रश्न पत्र

(नृत्य से संबंधित शास्त्रगत व प्रायोगिक सिद्धान्त–1)

समय–3 घण्टे **पूर्णांक–35 न्यूनांक–13**

टीपः– सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

1. **हाँ या नहीं में उत्तर दीजियेः–** 05

अ– वेष्टिम आहार्य अभिनय में आता है ।

ब– सामवेद से पाठ्य लिया गया ।

स– नाट्यशास्त्र नन्दिकेश्वर ने लिखा ।

द– दक्षिण भारतीय ताल पद्धति में कुल 175 ताल होते हैं ।

इ– चतुरस्र प्रेक्षागृह की माप 32 एवं 64 हाथ(हस्त) हैं ।

फ– दसवां तालदशप्राण यति है ।

क– सूर्यग्रह को दर्शाने के लिए अलपद्म व कपित्थ हस्त का उपयोग किया जाता है ।

ख– शिरोभेद आठ प्रकार के हैं ।

ग– कालिदास ने कुमारसंभवम् नाटक लिखा ।

घ– अंग, प्रत्यंग, उपांग वाचिक अभिनय हैं ।

इकाई–1

2. आहार्य अभिनय का विस्तृत वर्णन कीजिये । 06

अथवा

अभिनय को समझाते हुए सात्विक अभिनय का वर्णन कीजिये ।

इकाई–2

3. नाट्यशास्त्र के अनुसार पूर्वरंग को विस्तार से समझाइये । 06

अथवा

नाट्यशास्त्र के अनुसार नाट्योत्पत्ति कथा का वर्णन कीजिये ।

इकाई–3

4. ताल क्या है ? किसी एक ताल पद्धति को विस्तार से समझाइये । 06

अथवा

ताल दशप्राण का विस्तृत वर्णन कीजिये ।

इकाई–4

5. नवग्रह हस्त एवं ग्रीवा भेदों को श्लोक सहित लिखिये । 06

अथवा

शिरोभेद एवं ग्रीवा भेद के विनियोग श्लोक सहित लिखिये ।

इकाई–5

6. कुमार संभवम् की नृत्य नाटिका संरचना बताते हुए वेशभूषा प्रकाश व्यवस्था की परिकल्पना कीजिये । 06

अथवा

रूक्मिणी हरण नृत्य नाटिका की पूर्ण संरचना समझाइये ।

IKSV MMXVI-XVII 16

M.A.FIRST SEMESTER, EXAM. DEC-2016

BHARATNATYAM

Paper-II

THE THEORETICAL & PRACTICAL ASPECTS RELATED TO DANCE

Time: 3 Hrs. **Max.M. 35,Min.M.13**

Note : All questions are compulsory.

1. Answer in Yes or No:- 05

(a) Veshtim comes in Aharya Abhinaya.
(b) Pathya was derived from Sam veda.
(c) Natyashastra is written by Nandikeshwar.
(d) There are total 175 taalas in South Indian Taal system.
(e) Measurment of Chaturasra Prekshagraha has 32 and 64 hand(Hasta.)
(f) Yati is the tenth Taal Dash Prana.
(g) Alapadma and Kapittha hasta is used for depicting Surya Graha.
(h) Shirobhedas are of eight varieties.
(i) Kumar Sambhavam play is written by Kalidas.
(j) Anga, Pratyanga, Upanga are Vachikabhinaya.

2. Describe Aharya Abhinaya in detail. 06

OR

Explain Abhinaya and describe Satwika Abhinaya.

3. Explain Poorvaranga in detail according to Natyashastra. 06

OR

Describe the story of Natyotpatti according to Natyashastra.

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016
लोकसंगीत
प्रथम प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- कोई 6 प्रश्न हल कीजिये । प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है । छठवां प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

इकाई-1

1. 'लोक' को कई विद्वानों द्वारा परिभाषित किया गया है । किसी एक परिभाषा को लिखें और उसकी विस्तृत व्याख्या करें । इसकी उत्पत्ति के आधार बिन्दु पर प्रकाश डालें । 06

अथवा

लोक साहित्य के प्रकार उदाहरण देते हुए समझायें ।

इकाई-2

2. 'लोकगीत के विकास पर उदाहरण सहित टिप्पणी कीजिये । 06

अथवा

भारतीय लोकगीतों के साहित्यिक अध्ययन पर निबंध लिखें ।

इकाई-3

3. लोकगीतों के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालिये । 06

अथवा

नारी जीवन की वेदना किन-किन लोकगीतों में अभिव्यक्त हुई है ? न्यूनतम तीन उदाहरणों सहित समझाइये ।

इकाई-4

4. संस्कार गीतों के भाव-पक्ष पर अपने विचार रखिये । 06

अथवा

छत्तीसगढ़ की ददरिया क्यों मोहक लगती है ? उदाहरण देकर समझायें । अन्य किस लोकगीत से इसकी तुलना कर सकते हैं ? तुलना के आधार भी बतायें ।

IKSV MMXVI-XVII 17

इकाई-5

5. कृषि से संबंधित लोकगीतों की सूची बनायें और किसी एक का उदाहरण देते हुए यह बतायें कि इसे किस समय गाने की प्रथा है ? 06

अथवा

लोकगीतों और रीति-रिवाजों के अंतर-संबंधों की व्याख्या कीजिये ।

6. **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजियेः-** 05

अ- छठ पर्व ----- प्रदेश में मनाया जाता है ।

ब- बाम्बुलिया----- माह में गायी जाती है ।

स- लोकनर्तक कमर में घाघरा व पैरों में----बांधकर नाचते हैं ।

द- जन्माष्टमी का लोकरूप ----- है ।

इ- तरी हरि नाहना मोर की टेक----में लगाई जाती है ।

xx

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर, परीक्षा-दिसम्बर,2016
लोकसंगीत
द्वितीय प्रश्न पत्र

समय-3 घण्टे **पूर्णांक-35 न्यूनांक-13**

टीपः- प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।
छठवां प्रश्न अनिवार्य है ।

इकाई-1

1. लोकनृत्य की उत्पत्ति की धारणाओं को स्पष्ट करते हुए, उसके विकास पर प्रकाश डालिये । 06

अथवा

लोकनृत्य से आप क्या समझते हैं ? कथन की पुष्टि करते हुए उसके प्रकारों का वर्णन कीजिये ।

इकाई-2

2. वर्तमान परिवेश में लोकनृत्यों की वेशभूषा की प्रासंगिकता पर अपने विचार व्यक्त कीजिये । 06

अथवा

लोकनृत्यों में लय, ताल एवं वाद्यों की उपयोगिता के महत्व पर अपने मत प्रकट कीजिये ।

इकाई-3

3. "लोकनृत्य से शास्त्रीय नृत्य की उत्पत्ति हुई है ?" इस धारणा को स्पष्ट करते हुए दोनों में अन्तर बतलाइये । 06

अथवा

"लोकनृत्य व्यायाम का सशक्त माध्यम है ।" समझाइये ।

इकाई-4

4. छत्तीसगढ़ में उरांव जनजाति के सरहुल नृत्य की परम्परा पर प्रकाश डालते हुए इसकी प्रस्तुति का वर्णन कीजिये । 06

अथवा

"लोकनृत्यों में हमारे रीति-रिवाजों के स्पष्ट दर्शन होते हैं ।" स्पष्ट करते हुए इसके अनुष्ठानिक प्रदर्शन की व्याख्या कीजिये ।

2/-

IKSV MMXVI-XVII 18

इकाई-5

5. दक्षिण-मध्य क्षेत्र के किसी एक लोकनृत्य की विशेषता के बारे में लिखिये । 06

अथवा

"घोटुल बस्तर की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परम्परा का परिचायक है ।" समझाइये ।

6. **रिक्त स्थान भरियेः-** 05

अ- लाछा ----- जाति की महिलाएँ पहनती हैं ।

ब- हंसली ---- अंग में धारण किया जाता है ।

स- इत्तापुल्ला----- जाति की महिलाओं द्वारा पैरों में पहना जाता है ।

द- बिचौली -----क्षेत्र की महिलाएँ धारण करती हैं ।

इ- बोर-----की महिलाओं का प्रमुख आभूषण है ।

xx